ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 1258 **Mobile Number :** 9328723588 **Receipt No. :** A3511
Member Name : जिनागमरत्न वि.म.सा. **Total Issued :** 54
Address : रेजेन्सी फ्लेट्स,महात्मागांधी इन्टरनेशनल स्कुलनी सामे,मीठाखणी
Issue Date : 12/02/2025 **Last Date :** 13/05/2025

Sr No.	Vargank No.	Kruti Name	Notes
1	AD04504	जैनोपनिषद	श्रेणीकभाई - 9104491085
2	AB05787	जीतकल्पसूत्र ((बृहचूर्णि)	श्रेणीकभाई - 9104491085
3	AB02140	ज्ञाताधर्मकथांगसूत्रम् (भाग-2)	श्रेणीकभाई - 9104491085
4	AB02001	अंगसुत्ताणि भाग-1 (आचारो-सूयगडो, ठाणं, समवाओ)	श्रेणीकभाई - 9104491085
5	AA01025	सर्वज्ञ कथित ब्रह्मांड (भाग-1)	श्रेणीकभाई - 9104491085

AD04504

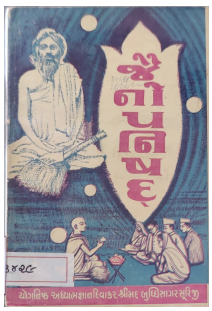

AB05787

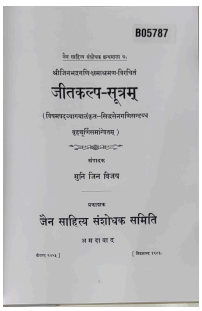

AB02140

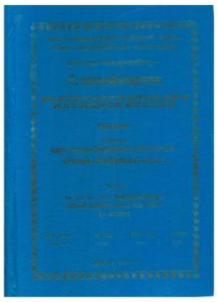

AB02001

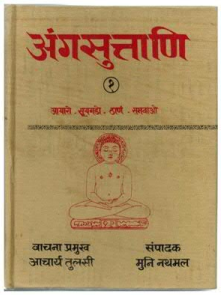

AA01025

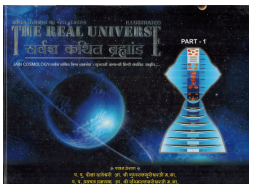

AA - A Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AD - D Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद

Book Received By

Book Issue By

संस्थाना नियमो :
1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु करावबु अनिवार्य छे.
3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किंमत करता वधु होई शके छे.